इस मास में विशेषः साधना दीक्षा

सर्व व्याधी नाशक उपांग ललिता साधना

उपांग ललिता व्रत - 26 सितम्बर

जीवन की कुछ विशेष भौतिक बाधाएं, ग्रहों का दोष, दरिद्रता, मुकदमा, विवाह में रूकावट, रोजगार, कारोबार में बाधा इत्यादि जीवन को कष्टमय बना देते है और जीवन में **बाधाओं** को हटाने के लिए उपांग ललिता का अनुष्ठान व साधना करने के अलावा निश्चित कोई उपाय नहीं है। दुर्गा स्वरूप में ललिता तो बाधाहारिणी, शक्ति प्रदायक है और जहां शक्ति है वहां सब कुछ है।

सरस्वती विद्या प्रदायक प्रयोग

सरस्वती पूजा - 30 सितम्बर

नवरात्रि के अष्टमी को सरस्वती पूजन का विशेष महत्व है तथा संतान की विद्योन्नति के लिये इस प्रयोग को सम्पन्न करना श्रेष्ठ और अनिवार्य भी है। सन्तान की पढ़ाई में रूचि बढ़ाने के लिये इस अचूक प्रयोग को करना ही श्रेष्ठ है।

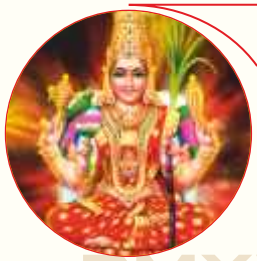

विराट त्रिपुर सुन्दरी साधना

नवरात्रि महानवमी - 01 अक्टूबर

इस साधना को सम्पन्न करने से अकूत धन की प्राप्ति, जीवन में यश, मान, धन, पद, प्रतिष्ठा, ऐश्वर्य की प्राप्ति, दीर्घायु एवं पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्ति, आकस्मिक धन प्राप्ति, समस्त प्रकार के भोगों की प्राप्ति, स्वयं का भवन, पुत्र-पौत्र उन्नति, शत्रु नाश, उत्तम पति या पत्नी की प्राप्ति, अकाल मृत्यु निवारण, भाग्योदय, राज्य में उन्नति आदि सुस्थितियों की प्राप्ति होती है।

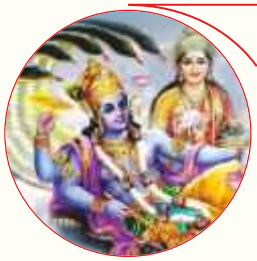

सर्व पाप दोष शमनः पापाकुंश साधना

पापाकुंश एकादशी - 03 अक्टूबर

पापांकुशा साधना जिसके द्वारा व्यक्ति अपने जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दोषों को-चाहे वह दरिद्रता हो, अकाल मृत्यु हो, बीमारी हो या चाहे और कुछ हो, उसे पूर्णतः समाप्त कर सकता है और अब तक के संचित पाप कर्मों को पूर्णतः नष्ट करता हुआ भविष्य के लिये भी उनके पाश से मुक्त हो जाता है, उन पर अंकुश लगा पाता है।

साधना एक साधक के जीवन का अभिन्न अंग है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव सद्गुरूदेव के हृदय में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। ये विशिष्ट साधनायें सम्पन्न करने के लिए कैलाश सिद्धाश्रम में सम्पर्क करें।